# 1. मङ्गलम्

1. हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् । तत्त्वं पुषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ।।

अर्थ :- प्रस्तुत श्लोक ईशावास्य० उपनिषद में संकलित तथा मंगलम् पाठ से लिया गया है। इसमें सत्य के विषय मे कहा गया । की संसार के मोह माया के जाल में फँस जाने के कारण विद्वान व्यक्ति भी सत्य की प्राप्ति नहीं कर पाता।

इस श्लोक में कहा गया है कि सत्य का मुख सोने के पात्र से ढ़का हुआ है। इसलिए आप हे प्रभु इस आवरण को हटा दो ताकि सत्य और धर्म को जान सकु ।।

2. अणोरणीयान् महतो महीयान् आत्मास्य जन्तोर्निहितो गुहायाम् । तमक्रतुः पश्यति वीतशोको सत्येन पन्था धातुप्रसादान्महिमानमात्मनः ।।

अर्थ :- प्रस्तुत श्लोक कंठोपनिषद से संकलित तथा मंगलम् पाठ से लिया गया है। इसमें आत्मा के स्वरुप एवं निवास के विषय में बताया गया है। आत्मा छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी होती है जो जीवो के हृदय रुपी गुफा में रहती है। जिसे तुक्ष्य बुद्धि वाला आत्मा के ज्ञान से प्रभावित होकर शोक रहित हो जाता है।

3. सत्यमेव जयते नानृतं येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा यत्र तत् सत्यस्य परमं निधानम् ॥

अर्थ :- प्रस्तुत श्लोक मुण्डकोपनिषद् से संकलित तथा मंगलम् पाठ से लिया गया है जिससे जीवन की कामनाओ तथा सत्य और असत्य के बारे में बताया गया है की सत्य की जृत होत है असत्य की नहृं। सत्य से हृ देवताओ का मागम विस्तार होता है। जिसे ऋिषि गण कामनाओ को पाना चाहते है। वहृ सत्य का परम स्थान है।

4. यथा नद्यः स्यन्दमानाः समुद्रे - ऽस्तं गच्छन्ति नामरूपे विहाय । तथा विद्वान् नामरूपाद् विमुक्तः परात्परं पुरुषमुपैति दिव्यम् ॥

अर्थ: - प्रस्तुत श्लोक मुण्डकोपिनिषद् से सकंलित तथा मंगलम् पाठ से लिया गया है। जिसमें बताया गया है की जिस प्रकार नदियाँ बहते हुए समुद्र में अपने नाम रूप को त्यागकर मिल जाती है। उसी प्रकार विद्यान लोग अपने नाम रूप को त्यागकर श्रेष्ट परमात्मा को प्राप्त एक आकार हो जाता है।

5. वेदाहमेतं पुरुषं महान्तम्, आदित्यवर्णं तमसः परस्तात् । तमेव विदित्वाति मृत्युमेति, नान्यः पन्था विद्यतेऽयनाय ।।

अर्थ :- प्रस्तुत श्लोक श्वेतारावतरः पनिषद् से संकलित तथा मंगलम् पाठ से लिया गया है। जिसमे बताया गया है की मुझे ही परम् पुरूष जानो जो आदित्य वर्ण के रूप मे अंधकार के आगे प्रकाश के रूप मे हूँ जिसे जानकर मृत्यु को भी पार कर जाता है। इसके अलावा कोई दुसरा रास्ता नही है।

## लघु उत्तरीय

**प्रश्न 1. आत्मा के स्वरूप का वर्णन करें ?**

उतर - परमात्मा ने इस संसार की रचना की लेकिन इसका आनंद वे अकेले नहीं ले सकते। इसलिए उन्होंने अपने स्वरूप को आत्माओं में बाँटा। अब जो गुण परमात्मा के थे वे ही आत्मा के बन गए। जो बड़ों से भी बड़ा एवं छोटों से भी छोटा होता है। जो इस सत्य को समझ लेता है। वह सदा के लिए सुखी हो जाता है।

**2. विद्वान् परमात्मा के पास क्या छोड़कर जाते हैं? अथवा, नदियाँ समुद्र में कैसे मिलती हैं?**

उतर - जिस प्रकार बहती हुई नदी अपने अंतिम पड़ाव में समुद्र में मिलकर अपना नाम और रूप छोड़कर विलीन होकर सागरमय हो जाती है उसी प्रकार विद्वान् पुरुष भी अपने रूप और नाम दोनों को छोड़कर परम पिता परमेश्वर के स्वरूप से मिलकर एकाकार हो जाते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि अहंकार का भाव त्याग देने से अपने लक्ष्य से मिलना आसान हो जाता है।

**3. नदी और विद्वान् में क्या समानता है?**

उतर - नदी अपने प्रवाह के अंतिम पड़ाव में जब समुद्र में मिल जाती है तो उसका रूप और नाम समाप्त हो जाता है। उसका स्वरूप सागरमय हो जाता है। उसी प्रकार विद्वान लोग अपने को ब्रह्म में मिलाना चाहता है और इसके लिए प्रयासरत होता है। और जब वह ब्रह्म में मिल जाता है तो वह भी अपने रूप और नाम को त्याग देता है और ब्रह्म में विलीन हो जाता है।

**4. आत्मा का स्वरूप कैसा है, वह कहाँ रहती है?**

उतर - कठोपनिषद् में आत्मा के स्वरूप पर विस्तार से चर्चा की गई है। मानवों के हृदय में आत्मा का स्थान बताया गया जो अणु से भी छोटा और महान् से भी महान् है। जो इसका रहस्य समझता है वह शोकरहित हो जाता है।

**5. 'मंगलम्' पाठ के आधार पर सत्य का स्वरूप बतायें।**

उतर - 'मंगलम्' पाठ में सत्य की अवधारणा के बारे में बताया गया है। सत्य का मुख हिरण्यमय प्रात्र से ढँका हुआ है। सत्य और धर्म की वास्तविक अवस्था के दर्शन हेतु सूर्य से प्रार्थना की गई है कि वे इसे हटा दें। सत्य के रास्ते पर चलने वाला मानव अपने जीवन में व्याप्त सभी शोकों को पार कर जाता है तथा संसार की श्रेष्ठतम अवस्था पाकर अपना जन्म कृतकृत्य कर लेता है।

**6. महान् लोग संसाररूपी सागर को कैसे पार करते हैं ?**

उतर - ज्ञानी का जीवन प्रकाशमय और अज्ञानी का जीवन अंधकारमय होता है। जो मनुष्य इस ज्ञान और अज्ञान के बीच के रहस्य को समझ जाते हैं वे मृत्यु के भय से मुक्त हो जाते है एवं इस संसार से ब्रह्म की प्राप्ति कर मुक्त हो जाते हैं। पुनः इस जन्म-मरण के चक्कर में नहीं पड़ते अर्थात् इनकी आत्मा परमात्मा में मिल एकाकार हो जाती है।

**7. विद्वान् मृत्यु को कैसे पराजित करते हैं?**

उतर - विद्वान् पुरुष अपनी अल्पज्ञता को स्वीकार कर दूसरों को अधिक ज्ञानी (प्रकाशस्वरूप) मानते हैं तथा इसी विचार को धारण कर मृत्यु को वश में कर लेते हैं क्योंकि मृत्यु को पार करने का अलग मार्ग नहीं है।

**8. 'मङ्गलम्' पाठ का पाँच वाक्यों में वर्णन करें।**

उतर - वैदिक वाङ्मय के अंतिम भाग में उपनिषदों का स्थान आता है जिसमें जीवन-दर्शन के सिद्धांतों का निरूपण किया गया है। आत्मा और प्रकृति के संयोग से इस जगत् की उत्पति हुई है। परम ज्ञान की प्राप्ति ही इस जीवन का लक्ष्य है। सत्य के स्वरूप का चिंतन, आत्मा की विशेषता, सत्यमेव जयते, विद्वान् पुरुष का दिव्यलोकगमन तथा परम ज्ञान पाकर मृत्यु को वश में करना आदि इस पाठ के मुख्य विषय हैं। इस पाठ के माध्यम से उपनिषदों में आदर्श जीवनशैली का वर्णन किया गया है।

1. मङ्गलम् पाठ कहाँ से संकलित है?

(A) वेद से

(B) पुराण में

(C) उपनिषद् से

(D) वेदाङ्ग से

Ans – (C)

2. महान से भी महान क्या है?

(A) आत्मा

(B) देवता

(C) ऋषि

(D) दानव

Ans – (A)

3. सूक्ष्म से सूक्ष्म कौन है?

6. उपनिषद् किसका अंतिम भाग है?

(A) साहित्य

(B) संस्कृत

(C) वैदिक साहित्य

(D) गीता

Ans – (C)

7. 'मंगलम्' पाठ में किस प्रकार के मंत्र है?

(A) पद्यात्मक

(B) गद्यात्मक

(C) संकलनात्मक

(D) नाट्यात्मक

Ans – (A)

8. उपनिषद् किसका सिद्धांत प्रकट करता है?

(A) पुराण का

(B) दर्शन का

(C) ईश्वर का

(D) आत्मा का

Ans – (B)

9. किसे वश में नहीं किया जा सकता है?

(A) आत्मा

(B) परमात्मा

(C) विद्या

(D) सिंह

Ans – (A)

10. विद्वान शोक रहित होकर किसको देखता है?

(A) आत्मा

(B) विद्या

(C) परमात्मा

(D) मानव

Ans – (C)

11. सत्य से किसका रास्ता प्रशस्त होता है?

(A) घर का

(B) देवलोक

(C) विद्यालय

(D) युद्ध का

Ans – (B)

12. यह संपूर्ण संसार किसके द्वारा अनुशासित है?

(A) आत्मा

(B) परमात्मा

(C) साहित्य

(D) इनमें नहीं

Ans – (B)

13. 'वेदा हमेतं पुरुष महान्तम् ..... विद्यतेऽयनाय। मंत्र किस उपनिषद् से लिया गया है।

(A) कठोपनिषद् से

(B) श्वेताश्वेतरोपनिषद् से

(C) मुण्डकोपनिषद् से

(D) ईशावास्योपनिषद् से

Ans – (B)

14. अणोरणीयान् महतो ..... महिमानमात्मनः। मन्त्र किस उपनिषद् से संगृहीत है?

(A) मुण्डकोपनिषद् से

(B) कठोपनिषद् से

(C) श्वेताश्वतरोपनिषद् से

(D) ईशावास्योपनिषद् से

Ans – (B)

15. नदियाँ नाम और रूप को छोड़कर किस में मिलती है?

(A) समुद्र में

(B) मानसरोवर में

(C) तालाब में

(D) झील में

Ans – (A)

16. किसकी विजय नहीं होती है?

(A) सत्य की

(B) असत्य की

(C) धर्म की

D) सत्य और असत्य दोनों की

Ans – (B)

17. किनकी महिमा का गायन हुआ है?

(A) विद्वान

(B) आत्मा

(C) समुद्र

(D) परमात्मा

Ans – (D)

18. सबसे बड़ा खजाना क्या है?

(A) धन

(B) विद्या

(C) स्वर्ण

(D) सत्य

Ans – (D)

19. ईश्वर क्या है?

(A) धन

(B) सत्य

(C) समुद्र

(D) असत्य

Ans – (B)

20. ईशावास्योपनिषद् में किसके विषय में कहा गया है?

(A) आत्मा

(B) परमात्मा

(C) मानव

(D) सत्य

Ans – (D)

21. कठोपनिषद् में किसके बारे में कहा गया है?

(A) परमात्मा

(B) मोक्ष

(C) माया मोह

(D) धन

Ans – (B)

22. 'श्वेताश्रोपनिषद्' में किसके बारे में कहा गया है?

(A) परमात्मा

(B) आत्मा

(C) विद्वान्

(D) नदियाँ

Ans – (A)

23. किसके प्रभाव से विद्वान शोक रहित होते हैं?

(A) धन

(B) मन

(C) इंद्रिय

(D) जन

Ans – (C)

24. 'सत्यमार्ग' से विद्वान कहाँ जाते हैं?

(A) देवलोक

(C) परलोक

(B) यमलोक

(D) पाताललोक

Ans – (A)

25. कौन अपने नाम और रूप को छोड़कर समुद्र में मिल जाता है?

(A) समुद्र

(B) झरना

(C) नदियाँ

(D) मार्ग

Ans – (C)

26. साधक किसको पार करते हैं?

(A) मृत्यु को

(B) अमरता को

(C) सत्य को

(D) जीवन को

Ans – (A)

27. सत्य धर्म के लिए किसको हटा दें?

(A) आवरण को

(B) असत्य को

(C) सत्य को

(D) हिरण्यमयेन पात्र को

Ans – (D)

28. सत्य का मुख किस पात्र से ढका है ?

(A) स्वर्ण

(B) शस्त्र

(C) शास्त्र

(D) विद्या

Ans – (A)

29. नदियाँ क्या छोड़कर समुद्र में मिल जाती है?

(A) स्वरूप

(B) नाम

(C) काम

(D) जल

Ans – (B)

30. प्राणियों के हृदयरूपी गुफा में कौन बंद है?

(A) देव:

(B) राक्षसम्

(C) आत्मा

(D) शरीरम्

Ans – (C)

31. नदियाँ कहाँ जाकर मिलती है?

(A) सरोवर में

(B) समुद्र में

(C) तालाब में

(D) नगर में

Ans – (B)

32. किसकी जय होती है?

(A) क्रोध

(B) मोह

(C) असत्य

(D) सत्य

Ans – (D)

33. किसका मुख सोने के पात्र से बंद है?

(A) सत्य का

(B) असत्य का

(C) दर्शन का

(D) मानव का

Ans – (A)

34. ब्राह्मण का मुख किससे ढ़का है?

(A) रुपया से

(B) लोहा से

(C) सोने से

(D) मिट्टी से

Ans – (C)

35. विद्वान अपना नाम छोड़कर किसमें मिल जाता है?

(A) आत्मा

(B) जल

(C) परमात्मा

(D) हवा में

Ans – (C)

36. ऋषिलोग देवलोक की प्राप्ति के लिए किस मार्ग को अपनाते हैं?

(A) जलमार्ग

(B) सत्यमार्ग

(C) वायुमार्ग

(D) असत्यमार्ग

Ans – (B)

37. हिरण्ययेन पात्रेण ..... सत्यधर्माय दृष्टये। किस उपनिषद् का मंत्र है?

(A) कठोपनिषद्

(B) मुण्डकोपनिषद्

(C) ईशावास्योपनिषद्

(D) गीता

Ans – (C)

38. उपनिषद् के अंतिम भाग में किसका सिद्धांत है?

(A) दर्शनशास्त्र

(B) पुराण

(C) गीता

(D) अर्थशास्त्र

Ans – (A)

39. 'आदित्य' का पर्यायवाची क्या है?

(A) चन्द्र

(B) सरोवर

(C) सूर्य

(D) ईश्वर

Ans – (C)

40. 'सत्यमेव जयते' किस उपनिषद् का मूलमंत्र है?

(A) मुण्डकोपनिषद्

(B) ईशावास्योपनिषद्

(C) कठोपनिषद्

(D) केनोपनिषद्

Ans – (A)

41. किसकी गुफा में आत्मा निहित है?

(A) पर्वतीय गुफा में

(B) कृत्रिम गुफा में

(C) जीवों के शरीर रुपी गुफा में

(D) किसी में नहीं

Ans – (C)

42. 'मंगलम्' पाठ में कुल कितने मंत्र (पद्य) हैं?

(A) पाँच

(B) तीन

(C) चार

(D) छः

Ans – (A)